

मुरलीवाला पुं. (तत्.) श्रीकृष्ण का एक अन्य नाम।

मुरवा पुं. (देश.) 1. एड़ी के ऊपर स्थित वह हड्डी जो कुछ उभरी हुई सी होती है 2. उपर्युक्त हड्डी के आस-पास का स्थान जो उभरा हुआ या गोलाकार होता है।

मुरवी स्त्री. (तत्.) 1. मूर्वा घास की बनी मेखला जिसे क्षत्रिय धारण करते हैं 2. धनुष में स्थित डोरी।

मुर-वैरी पुं. (तत्.) दे. मुरारि।

मुरव्वत स्त्री. (अर.) दे. मुरौवत।

मुरशिद पुं. (अर.) 1. पीर, फकीर, गुरु 2. व्यंग्य में धूर्त व्यक्ति के लिए संबोधन।

मुरसिल पुं. (अर.) प्रेषक, भेजने वाला।

मुर-सुत पुं. (तत्.) 'मुर' नामक दैत्य का पुत्र वत्सासुर।

मुरस्सा वि. (अर.) रत्न से जड़ा या मढ़ा हुआ, जड़ाऊ।

मुरस्साकार पुं. (अर.) रत्नों से परिपूर्ण आभूषण को गढ़ने या बनाने वाला।

मुरस्साकारी स्त्री. (अर.) 1. गहने आदि में नग जड़ने का कार्य 2. उपर्युक्त कार्य का पारिश्रमिक।

मुरहन स्त्री. (देश.) 1. एक विशेष प्रकार का पौधा जिसकी पत्तियाँ श्रेष्ठ समझी जाती हैं 2. इसी पौधे की पत्तियाँ।

मुरहा पुं. (तत्.) मुर नामक दैत्य का संहार करने वाला अर्थात् श्रीहरि, विष्णु, कृष्ण का एक नाम वि. 1. जिसका जन्म मूल नक्षत्र में हुआ हो 2. अनाथ 3. उपद्रव करने वाला।

मुरहारी पुं. (तत्.) मुर नामक राक्षस का अंत करने वाला, मुरारि, विष्णु, कृष्ण।

मुरा स्त्री. (तत्.) 1. एक विशेष प्रकार का गंध युक्त पदार्थ 2. 'कथासरित् सागर' के अनुसार वह

नाइन जिसके गर्भ से महानंद की संतान चंद्रगुप्त का जन्म हुआ था।

मुराड़ा पुं. (देश.) वह लकड़ी जिसका एक हिस्सा जल रहा हो।

मुराद स्त्री. (अर.) 1. बहुत समय से बनी हुई अभिलाषा या इच्छा, वह इच्छा जो लंबे समय से बनी हुई हो 2. मन्नत या मनौती 3. अभिप्राय, अर्थ, तात्पर्य मुहा. मुराद पाना- अभीष्ट वस्तु को प्राप्त करना, मनचाही बात पूरी होना; मुराद माँगना- मन की इच्छा पूरी होने की प्रार्थना करना; मुराद मिलना- अभीष्ट या मन की अभिलाषा का पूरा होना।

मुरादी वि. (अर.) मन में मुराद (अभिलाषा) रखने वाला, अभिलाषी।

मुराना स.क्रि. (अनु.) मुँह में कोई चीज रखकर मुरमुराना (मुलायम करना), चुभलाना।

मुराफा पुं. (अर. मुराफ़ा) निचली अदालत में मुकदमा अपने पक्ष में न रहने पर उससे ऊपर की अदालत में पुनर्विचार हेतु दिया जाने वाला प्रार्थना-पत्र।

मुरार पुं. (तद्.) मृणाल, कमलनाल, कमल की जड़।

मुरारि पुं. (तत्.) मुर नामक राक्षस के शत्रु, श्री कृष्ण, विष्णु

मुरारी पुं. (तत्.) दे. मुरारि।

मुरासा पुं. (अर. मुरस्सअ=जड़ाऊ) एक प्रकार का जड़ाऊ कर्ण-फूल उदा. 'मुरासा तिय-स्रवन, यों मुकतनु दुति पाइ' -बिहारी।

मूरी स्त्री. (देश.) 1. मूल, जड़ 2. जूड़ी-बूटी।

मुरीद पुं. (अर.) 1. शिष्य, चेला 2. पक्का अनुयायी, परम भक्त 3. लाक्ष. प्रशंसक।

मुरीदी स्त्री. (अर.) मुरीद होने की स्थिति अथवा भाव; किसी में अगाध विश्वास होने की स्थिति।

मुरुंड पुं. (तत्.) अफगानिस्तान की एक प्राचीन जाति।